

असदा कृतितं किंचिदकृतं वापि कर्मणा । रक्ष्यमरक्ष्यं वा न प्रवर्तमि सर्वथा ॥ MBh. 13, 5869. *zukommen lassen, gewähren*: कञ्चिद्वासा ब्राह्मणानां यथावत्प्रवर्तते पूर्ववत्ता वृत्तिम् 5, 699. — 15) प्रवृत्त wohl fehlerhaft für अपवृत्त (= परिमत्त Comm.) Nir. 1, 9. für प्रवृत्त ँच. Grh. ed. St. 4, 2, 9. für प्रवृत्त INDR. 5, 28 (MBh. 3, 1844 richtig). KATHās. 45, 282. — Vgl. प्रवर्त, प्रवर्तमानक, प्रवर्तितव्य (न पुनरेवं प्रवर्तितव्यम् Çā. 79, 6), प्रवर्तिन्, प्रवृत्, प्रवृत् (प्रवृत्ता N. pr. einer Unholdin MĀrk. P. 51, 42, wo प्रवृत्ता st. प्रवृत्त zu lesen ist), प्रवृत्ति. — caus. 1) rollen machen, in Bewegung setzen; fortschleudern, fortschieben u. s. w.: रथम् RV. 10, 114, 6. Çat. Br. 3, 5, 2, 17. KĀt. Çr. 8, 4, 1. इतस्तर्हि देवः प्रवर्तयतु पुष्यकम् UTTARā. 36, 7 (48, 5). चक्रम् BHāG. 3, 16. राजचक्रम् MBh. 13, 4262. प्र वर्तय दिवो अश्वानाम् RV. 7, 104, 19. PANKAV. Br. 12, 6, 6. शुक्रम् Çat. Br. 1, 6, 2, 8. काठे पदा Gobh. 2, 1, 20. अयः KĀt. 26, 1. LĀt. 5, 8, 14. ज्ञान्वीम् R. 3, 2, 11. RāGh. 13, 51. दोषम् Suçr. 1, 159, 6. *senden, schicken* PrāB. 46, 5. — 2) in Gang —, in Umlauf bringen, verbreiten, einführen, einsetzen: पूर्वेः प्रवर्तितं किंचित्कुले ऽस्मिन्प्रसक्तैः । साधु वा यदि वासाधु तन्नातिक्रान्तमुत्सहे ॥ MBh. 1, 4438. 13, 4604. मक्षाभाष्यम् RĀGā-TAR. 1, 176. 4, 487. धर्मपूर्वम् R. 2, 21, 35. VĀLū-P. bei Muir, ST. I, 153. आचार्यैः — वेदार्थेभ्यो निष्कष्य कर्मार्थं सुखावबोधनानीमानि विद्यास्थानानि प्रवर्तितानि UvāTA bei MÜLLER SL. 98. संहिता यैः प्रवर्तिताः Verz. d. Oxf. H. 55, a, 5. BHāG. P. 3, 8, 2. यात्रायागादि नागानाम् RĀGā-TAR. 1, 185. नीलोदितं विधिम् 186. तेन राज्ञा प्रवर्तिताः । स्थितयो वीतसंदेहा भास्वतेव दिनक्रियाः 4, 53. ज्ञेयैश्चिन्तां व्यवहृतिम् 397. इत्येष तेन संवाक्ता गृहकृत्ये प्रवर्तितः 5, 175. 183. प्रवर्तिते ऽस्मिन्कर्मिघनि कुमारिलेन LA. (III) 92, 19. fg. BHāG. P. 3, 24, 37. 5, 1, 21. मूर्खेण येन कायस्था दास्याः पुत्राः प्रवर्तिताः RĀGā-TAR. 5, 179. — 3) entstehen lassen, bilden, hervorbringen, vollbringen, bewirken: भुवनानि सप्त MBh. 3, 13981 = 12, 6924. सेतुम् einen Damm errichten JĀG. 2, 157. गोभिः प्रवर्तिते तीर्थे M. 11, 196. नदीम् MBh. 4, 2014. 6, 2836. 5501. 7, 502. HARIV. 9338. अतश्चर्मणवती गोचर्मण्यः प्रवर्तिता MBh. 13, 3851. 688. RĀGā-TAR. 4, 306. बलाद्धर्षं प्रवर्तितम् HARIV. 4809. 12150. RāGh. 5, 37. युगमन्यत् MBh. 5, 1878. त्वया प्रवर्तिते मार्गे HARIV. 9727. रुधिरनिस्पन्दस्वच्छरीरप्रवर्तितेः R. 3, 35, 34. मरणम् Suçr. 2, 219, 17. ईशैर्धर्म्यवृत्तैः प्रवर्तितकृतोदयः RĀGā-TAR. 5, 122. कर्मरम्भान् R. ed. Bomb. 6, 6, 8 (5, 77, 9 Gobh.). प्रवर्तितलतालास्य KATHās. 35, 5. लोकयात्रां प्रवर्तये (प्रवाक्ये ed. Bomb.) so v. a. *ich bringe mein Leben zu* R. 2, 109, 27. व्ययकर्म so v. a. *ausgeben* Spr. 367. अन्वैः प्रवर्तितो तत्कथाम् *vorbringen, erzählen* SĀH. D. 39, 5. राज्ञा तेन सर्वं प्रवर्तितम् *vollführt* Verz. d. Oxf. H. 32, a, 41. — 4) an den Tag legen, bezeugen R. 7, 30, 15. 38. BHāG. P. 10, 47, 25. MALLIN. zu KUMĀRAS. 3, 24. — 5) beginnen, unternehmen: कर्म KĀt. Çr. 25, 14, 8. संप्रामम् MBh. 7, 8930. HARIV. 10480. गिरियज्ञम् 3817. R. 1, 60, 3 (62, 7 Gobh.). BHāG. P. 8, 18, 21. आह्वानि HARIV. 1000. वास्तुसंशमनीयानि मङ्गलानि R. 2, 56, 27. जलदानोत्सवम् KATHās. 112, 61. MĀLATĪ. 13, 2. — 6) anwenden, gebrauchen: तौ प्रावीवृततां जेतुं शरजालान्यनेकशः BHATT. 15, 90. — 7) Jmd zu Etwas veranlassen, bewegen: तं पुत्रमाका-रुदौ प्रवर्त्य KATHās. 80, 14. 106, 26. प्रवर्तयामि सुरतं (wohl सुरते zu lesen) यावदेताम् 122, 57. ज्ञातारं हि रागादयः प्रवर्तयन्ति पुण्ये पापे वा Comm. zu NĪJAS. 1, 1, 18. KUSUM. 37, 11. 13. — 8) = simpl. *verfahren, zu Werke*

gehen: यो यथा वर्तते यस्मिंस्तस्मिन्नेव प्रवर्तयन् । नार्थं समवाप्नोति MBh. 5, 7079. — Vgl. प्रवर्तक fg.

— अतिप्र 1) übermäßig hervorkommen: Blut Suçr. 1, 45, 18. fg. — 2) stark sich äussern: मार्जारनकुलादीनां विषं नातिप्रवर्तते Suçr. 2, 269, 12.

— अनुप्र *hervorkommen entlang, nach*: ततो विषं प्र वावृत्ते पराधीरुन् संवतः RV. 1, 191, 15. तं सामानु प्रावर्तत 10, 135, 4. अनुप्रवृत्त *folgend auf* (acc.) BHāG. P. 1, 17, 32. 3, 2, 14. 25, 37. 4, 29, 54. 5, 1, 89.

— अभिप्र 1) *hinrollen, sich hinbewegen zu*: एतां ते दिशं रथो ऽभिप्रवर्तताम् AIT. Br. 8, 10. तद्यदि क् वा एवं विहासमुभो पर्वतावभिप्रवर्तयताम् KAUSH. Up. 2, 13. यत्र भागीरथी गङ्गा यमुनाभिप्रवर्तते *sich ergiesst in* R. 2, 54, 2. *sich in Gang setzen* ँच. Grh. 2, 6, 5. 3, 12, 8. — 2) *beschreiten*: गौरभिप्रवृत्ता Nir. 2, 9. अभिवृत्ता v. 1. — 3) अभिप्रवृत्त *im Gange seiend, Statt findend*: नर्मण्यभिप्रवृत्ते (कर्मणि ed. Calc.) MBh. 8, 8464.

— 4) अभिप्रवृत्त *begriffen in, beschäftigt mit* (loc.): कर्मणि BHāG. 4, 20. — Vgl. अभिप्रवर्तन. — caus. *rollen lassen, schleudern gegen*: वज्रमेनम्भि प्रवर्तयति TS. 3, 2, 9, 1. mit dat.: प्र यच्चक्रमराष्णो सनता अयवर्तयत् SV. ĀRANJAG. 2, 24.

— उपप्र *caus. hinschleudern, hinschieben u. s. w.*: (शिष्टं सोमम्) खष्टा-क्वनीयमुप प्रावर्तयत् TS. 2, 4, 22, 1. अयः 6, 5, 6. KĀt. 26, 1.

— परिप्र *caus. herführen*: den Wagen RV. 10, 135, 4.

— प्रतिप्र *caus. herführen* KAUC. 14.

— संप्र 1) *aufbrechen, sich fortbegeben*: एवं पितरि संप्रवृत्ते BHāG. P. 5, 2, 1. — 2) *hervorkommen, hervorgehen, entspringen, entstehen*: शि-खराश्वस्य धाराणां सकृत् संप्रवर्तते R. 4, 43, 37. मुखेभ्यो रुधिरं तीव्रं रु-यानां संप्रवर्तत 6, 69, 45. MBh. 12, 8488. अन्नतम् 13, 4626. HARIV. 12243. MĀrk. P. 43, 48. दुःखं चतुर्भिः शारीरं कार्ष्णीः संप्रवर्तते Spr. 5045. Suçr. 2, 495, 1. 524, 8. संवत्सरस्य पर्यन्ते निःश्वासः संप्रवर्तते । यदा MBh. 3, 18537. न द्वेष्टि संप्रवृत्तानि न निवृत्तानि काङ्क्षति *Entstandenes, Gekommenes, was da ist* BHāG. 14, 22. — 3) *beginnen, seinen Anfang nehmen*: संप्रवृत्ते तु संप्रामे MBh. 4, 1618. R. 6, 19, 2. PrāB. 72, 6. संप्रवृत्ते महेत्सवे MBh. 3, 3063. यज्ञो ऽसौ संप्रवर्तते R. 1, 32, 10. सायज्ञेन सवनकर्मणि संप्रवृत्ते Çā. 75. निशा R. 3, 5, 10. त्रेता HARIV. 12161. BHāG. P. 1, 3, 24. 9, 14, 43. नो सम्पगतुषु संप्रवृत्तेषु VARĀH. BRH. S. 46, 39. RĀGā-TAR. 6, 271. नोत्सवाः संप्रवर्तते *werden nicht unternommen, finden nicht Statt* R. 2, 114, 14.

— 4) *beginnen —, anheben —, sich anschicken zu, sich machen an*: mit infln.: यतस्त्वमत्तैर्देवितुं संप्रवृत्तः (संप्रमत्तः ed. Calc.) MBh. 8, 3509. mit dat.: स्थितिकरणाय संप्रवृत्तः MĀrk. P. 104, 36. mit loc.: त्रैलोक्यस्य विनाशने MBh. 3, 8787. जगतो विसृष्टौ VP. bei Muir, ST. IV, 35. अर्थमे संप्रवृत्तः *begriffen in* MBh. 5, 531. षट्स्रं 12, 2350. — 5) *verfahren, zu Werke gehen, sich benehmen* R. 4, 16, 23. MĀrk. P. 134, 25. SĀH. D. 539.

— 6) *man sich im Sinne herumgehen* so v. a. *Jmd nahe gehen* R. 5, 25, 10.

— 7) संप्रवृत्त MBh. 14, 77 fehlerhaft für सम्पगवृत्त, wie die ed. Bomb. liest. — Vgl. संप्रवर्तन, संप्रवृत्ति. — caus. 1) *in Gang —, in Umlauf bringen, verbreiten, einführen* MBh. 3, 11047 (S. 571). 13, 4604. कुपथपा-षण्डम् BHāH. P. 5, 6, 10 (med.). तोरमाणो न दीवाराः स्वाकृताः संप्रवर्ति-ताः RĀGā-TAR. 3, 108. — 2) *beginnen, unternehmen*: संप्रामम् MBh. 7, 7737. क्रतुन् HARIV. 2780. — Vgl. संप्रवर्तक.

— अभिसंप्र *beginnen*: संवत्सरे ऽभिसंप्रवृत्ते VARĀH. BRH. S. 19, 6. —